

होशे

Hosea · Hoshe

Chapters 14

Verses 197

Text Hindi O.V. (1911), public domain

Script हिंदी (Devanagari)

पवित्र बाइबल, हिंदी ओ.वी. (1911) ।

हर अध्याय ऑनलाइन भी, हिंदी और Hinglish में साथ-साथ ।

Read all 66 books online, free, in Hindi and Hinglish:

yeshuvachan.com/bible/

- ¹ यहूदा के राजा उज्जियाह, योताम, आहाज, और हिजकियाह के दिनों में और इस्राएल के राजा योआश के पुत्र यारोबाम के दिनों में, यहोवा का वचन बेरी के पुत्र होशे के पास पहुंचा ॥
- ² जब यहोवा ने होशे के द्वारा पहिले पहिल बातें कहीं, तब उसने होशे से यह कहा, जा कर एक वेश्या को अपनी पत्नी बना ले, और उसके कुकर्म के लड़के-बालों को अपने लड़के-बाले कर ले, क्योंकि यह देश यहोवा के पीछे चलना छोड़ कर वेश्या का सा बहुत काम करता है।
- ³ सो उसने जा कर दिबलैम की बेटी गोमेर को अपनी पत्नी कर लिया, और वह उस से गर्भवती हुई और उसके पुत्र उत्पन्न हुआ।
- ⁴ तब यहोवा ने उस से कहा, उसका नाम यिज्रैल रख; क्योंकि थोड़े ही काल में मैं येहू के घराने को यिज्रैल की हत्या का दण्ड दूंगा, और मैं इस्राएल के घराने के राज्य का अन्त कर दूंगा।
- ⁵ और उस समय मैं यिज्रैल की तराई में इस्राएल के धनुष को तोड़ डालूंगा ॥
- ⁶ और वह स्त्री फिर गर्भवती हुई और उसके एक बेटी उत्पन्न हुई। तब यहोवा ने होशे से कहा, उसका नाम लोरूहामा रख; क्योंकि मैं इस्राएल के घराने में फिर कभी दया कर के उनका अपराध किसी प्रकार से क्षमा न करूंगा।
- ⁷ परन्तु यहूदा के घराने पर मैं दया करूंगा, और उनका उद्धार करूंगा; उनका उद्धार मैं धनुष वा तलवार वा युद्ध वा घोड़ों वा सवारों के द्वारा नहीं, परन्तु उनके परमेश्वर यहोवा के द्वारा करूंगा ॥
- ⁸ जब उस स्त्री ने लोरूहामा का दूध छुड़ाया, तब वह गर्भवती हुई और उस से एक पुत्र उत्पन्न हुआ।
- ⁹ तब यहोवा ने कहा, इसका नाम लोअम्मी रख; क्योंकि तुम लोग मेरी प्रजा नहीं हो, और न मैं तुम्हारा परमेश्वर रहूंगा ॥
- ¹⁰ तौभी इस्राएलियों की गिनती समुद्र की बालू की सी हो जाएगी, जिनका मापना-गिनना अनहोना है; और जिस स्थान में उन से यह कहा जाता था कि तुम मेरी प्रजा नहीं हो, उसी स्थान में वे जीवित परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे।
- ¹¹ तब यहूदी और इस्राएली दोनों इकट्ठे हो अपना एक प्रधान ठहरा कर देश से चले आएंगे; क्योंकि यिज्रैल का दिन प्रसिद्ध होगा।

- 1 इसलिये तुम लोग अपने भाइयों से अम्मी और अपनी बहिनों से रूहामा कहो ॥
- 2 अपनी माता से विवाद करो, विवाद क्योंकि वह मेरी स्त्री नहीं और न मैं उसका पति हूँ। वह अपने मुंह पर से अपने छिनालपन को और छातियों के बीच से व्यभिचारों को अलग करे;
- 3 नहीं तो मैं उसके वस्त्र उतार कर उसको जन्म के दिन के समान नंगी कर दूंगा, और उसको मरुस्थल के समान और मरुभूमि सरीखी बनाऊंगा, और उसे प्यास से मार डालूंगा।
- 4 उसके लड़के-बालों पर भी मैं कुछ दया न करूंगा, क्योंकि वे कुकर्म के लड़के हैं।
- 5 उनकी माता ने छिनाला किया है; जिसके गर्भ में वे पड़े, उसने लज्जा के योग्य काम किया है। उसने कहा, मेरे यार जो मुझे रोटी-पानी, ऊन, सन, तेल और मद्य देते हैं, मैं उन्हीं के पीछे चलूंगी।
- 6 इसलिये देखो, मैं उसके मार्ग को कांटों से घेरूंगा, और ऐसा बाड़ा खड़ा करूंगा कि वह राह न पा सकेगी।
- 7 वह अपने यारों के पीछे चलने से भी न पाएगी; और उन्हें ढूँढ़ने से भी न पाएगी। तब वह कहेगी, मैं अपने पहिले पति के पास फिर जाऊंगी, क्योंकि मेरी पहिली दशा इस समय की दशा से अच्छी थी।
- 8 वह यह नहीं जानती थी, कि अन्न, नया दाखमधु और तेल मैं ही उसे देता था, और उसके लिये वह चान्दी सोना जिस को वे बाल देवता के काम में ले आते हैं, मैं ही बढ़ाता था।
- 9 इस कारण मैं अन्न की ऋतु में अपने अन्न को, और नये दाखमधु के होने के समय में अपने नये दाखमधु को हर लूंगा; और अपना ऊन और सन भी जिन से वह अपना तन ढांपती है, मैं छीन लूंगा।
- 10 अब मैं उसके यारों के साम्हने उसके तन को उघाडूंगा, और मेरे हाथ से कोई उसे छुड़ा न सकेगा।
- 11 और मैं उसके पर्व, नये चांद और विश्रामदिन आदि सब नियत समयों के उत्सवों का अन्त कर दूंगा।
- 12 और मैं उसकी दाखलताओं और अंजीर के वृक्षों को, जिनके विषय वह कहती है कि यह मेरे छिनाले की प्राप्ति है जिसे मेरे यारों ने मुझे दी है, उन्हें ऐसा उजाडूंगा कि वे जंगल से हो जाएंगे, और वन-पशु उन्हें चर डालेंगे।
- 13 और वे दिन जिन में वह बाल देवताओं के लिये धूप जलाती, और नत्थ और हार पहिने अपने यारों के पीछे जाती और मुझ को भूले रहती थी, उन दिनों का दण्ड मैं उसे दूंगा, यहोवा की यही वाणी है ॥
- 14 इसलिये देखो, मैं उसे मोहित कर के जंगल में ले जाऊंगा, और वहां उस से शान्ति की बातें कहूंगा।
- 15 और वहीं मैं उसको दाख की बारियां दूंगा, और आकोर की तराई को आशा का द्वार कर दूंगा और वहां वह मुझ से ऐसी बातें कहेगी जैसी अपनी जवानी के दिनों में अर्थात् मिस्र देश से चले आने के समय कहती थी।
- 16 और यहोवा की यह वाणी है कि उस समय तू मुझे ईशी कहेगी और फिर बाली न कहेगी।
- 17 क्योंकि भविष्य में मैं उसे बाल देवताओं के नाम न लेने दूंगा; और न उनके नाम फिर स्मरण में रहेंगे।

- 18 और उस समय मैं उनके लिये वन-पशुओं और आकाश के पक्षियों और भूमि पर के रेंगने वाले जन्तुओं के साथ वाचा बान्धूंगा, और धनुष और तलवार तोड़ कर युद्ध को उनके देश से दूर कर दूंगा; और ऐसा करूंगा कि वे लोग निडर सोया करेंगे ।
- 19 और मैं सदा के लिये तुझे अपनी स्त्री करने की प्रतिज्ञा करूंगा, और यह प्रतिज्ञा धर्म, और न्याय, और करुणा, और दया के साथ करूंगा ।
- 20 और यह सच्चाई के साथ की जाएगी, और तू यहोवा को जान लेगी ॥
- 21 और यहोवा की यह वाणी है कि उस समय मैं आकाश की सुन कर उसको उत्तर दूंगा, और वह पृथ्वी की सुन कर उसे उत्तर देगा;
- 22 और पृथ्वी अन्न, नये दाखमधु, और ताजे तेल की सुन कर उन को उत्तर देगी, और वे यिजेरल को उत्तर देंगे ।
- 23 और मैं अपने लिये उसे देश में बोऊंगा, और लोरूहामा पर दया करूंगा, और लोअम्मी से कहूंगा, तू मेरी प्रजा है, और वह कहेगा, “हे मेरे परमेश्वर ॥

- ¹ फिर यहोवा ने मुझ से कहा, अब जा कर एक ऐसी स्त्री से प्रीति कर, जो व्यभिचारिणी होने पर भी अपने प्रिय की प्यारी हो; क्योंकि उसी भांति यद्यपि इस्राएली पराए देवताओं की ओर फिरे, और दाख की टिकियों से प्रीति रखते हैं, तौभी यहोवा उन से प्रीति रखता है।
- ² तब मैं ने एक स्त्री को चान्दी के पन्द्रह टुकड़े और डेढ़ होमेर जव दे कर मोल लिया।
- ³ और मैं ने उस से कहा, तू बहुत दिन तक मेरे लिये बैठी रहना; और न तो छिनाला करना, और न किसी पुरुष की स्त्री हो जाना; और मैं भी तेरे लिये ऐसा ही रहूंगा।
- ⁴ क्योंकि इस्राएली बहुत दिन तक बिना राजा, बिना हाकिम, बिना यज्ञ, बिना लाठ, और बिना एपोद वा गृहदेवताओं के बैठे रहेंगे।
- ⁵ उसके बाद वे अपने परमेश्वर यहोवा और अपने राजा दाऊद को फिर ढूंढ़ने लगेंगे, और अन्त के दिनों में यहोवा के पास, और उसी उत्तम वस्तुओं के लिये थरथराते हुए आएंगे ॥

- 1 हे इस्राएलियों, यहोवा का वचन सुनो; इस देश के निवासियों के साथ यहोवा का मुकद्दमा है। इस देश में न तो कुछ सच्चाई है, न कुछ करुणा और न कुछ परमेश्वर का ज्ञान ही है।
- 2 यहां शाप देने, झूठ बोलने, वध करने, चुराने, और व्यभिचार करने को छोड़ कुछ नहीं होता; वे व्यवस्था की सीमा को लांघ कर कुकर्म करते हैं और खून ही खून होता रहता है।
- 3 इस कारण यह देश विलाप करेगा, और मैदान के जीव-जन्तुओं, और आकाश के पक्षियों समेत उसके सब निवासी कुम्हला जाएंगे; और समुद्र की मछलियां भी नाश हो जाएंगी ॥
- 4 देखो, कोई वाद-विवाद न करे, न कोई उलहना दे, क्योंकि तेरे लोग तो याजकों से वाद-विवाद करने वालों के समान हैं।
- 5 तू दिनदुपहरी ठोकर खाएगा, और रात को भविष्यद्वक्ता भी तेरे साथ ठोकर खाएगा; और मैं तेरी माता को नाश करूंगा।
- 6 मेरे ज्ञान के न होने से मेरी प्रजा नाश हो गई; तू ने मेरे ज्ञान को तुच्छ जाना है, इसलिये मैं तुझे अपना याजक रहने के अयोग्य ठहराऊंगा। और इसलिये कि तू ने अपने परमेश्वर की व्यवस्था को तज दिया है, मैं भी तेरे लड़के-बालों को छोड़ दूंगा।
- 7 जैसे वे बढ़ते गए, वैसे ही वे मेरे विरुद्ध पाप करते गए; मैं उनके वैभव के बदले उनका अनादर करूंगा।
- 8 वे मेरी प्रजा के पापबलियों को खाते हैं, और प्रजा के पापी होने की लालसा करते हैं।
- 9 इसलिये जो प्रजा की दशा होगी, वही याजक की भी होगी; मैं उनके चालचलन का दण्ड दूंगा, और उनके कामों के अनुकूल उन्हें बदला दूंगा।
- 10 वे खाएंगे तो सही, परन्तु तृप्त न होंगे, और वेश्यागमन तो करेंगे, परन्तु न बढ़ेंगे; क्योंकि उन्होंने यहोवा की ओर मन लगाना छोड़ दिया है ॥
- 11 वेश्यागमन और दाखमधु और ताजा दाखमधु, ये तीनों बुद्धि को भ्रष्ट करते हैं।
- 12 मेरी प्रजा के लोग काठ के पुतले से प्रश्न करते हैं, और उनकी छड़ी उन को भविष्य बताती है। क्योंकि छिनाला कराने वाली आत्मा ने उन्हें बहकाया है, और वे अपने परमेश्वर की आधीनता छोड़ कर छिनाला करते हैं।
- 13 बांज, चिनार और छोटे बांज वृक्षों की छाया अच्छी होती है, इसलिये वे उनके नीचे और पहाड़ों की चोटियों पर यज्ञ करते, और टीलों पर धूप जलाते हैं ॥ इस कारण तुम्हारी बेटियां छिनाल और तुम्हारी बहुएं व्यभिचारिणी हो गई हैं।
- 14 जब तुम्हारी बेटियां छिनाला और तुम्हारी बहुएं व्यभिचार करें, तब मैं उन को दण्ड न दूंगा; क्योंकि मनुष्य आप ही वेश्याओं के साथ एकान्त में जाते, और देवदासियों के साथी हो कर यज्ञ करते हैं; और जो लोग समझ नहीं रखते, वे नाश हो जाएंगे ॥
- 15 हे इस्राएल, यद्यपि तू छिनाला करता है, तौभी यहूदा दोषी न बने। गिलगाल को न आओ; और न बेतावेन को चढ़ जाओ; और यहोवा के जीवन की सौगन्ध कह कर शपथ न खाओ।
- 16 क्योंकि इस्राएल ने हठीली कलोर की नाई हठ किया है, क्या अब यहोवा उन्हें भेड़ के बच्चे की नाई लम्बे चौड़े मैदान में चराएगा?

17 एप्रैम मूरतों का संगी हो गया है; इसलिये उसको रहने दे ।

18 वे जब दाखमधु पी चुकते हैं तब वेश्यागमन करने में लग जाते हैं; उनके प्रधान लोग निरादर होने से अधिक प्रीति रखते हैं ।

19 आंधी उन को अपने पंखों में बान्ध कर उड़ा ले जाएगी, और उनके बलिदानों के कारण उनकी आशा टूट जाएगी ॥

- ¹ हे याजकों, यह बात सुनो! हे इस्त्राएल के सारे घराने, ध्यान देकर सुनो! हे राजा के घराने, तुम भी कान लगाओ! क्योंकि तुम पर न्याय किया जाएगा; क्योंकि तुम मिस्र में फन्दा और ताबोर पर लगाया हुआ जाल बन गए हो।
- ² उन बिगड़े हुएों ने घोर हत्या की है, इसलिए मैं उन सभी को ताड़ना दूंगा ॥
- ³ मैं एप्रैम का भेद जानता हूँ और इस्त्राएल की दशा मुझ से छिपी नहीं है; हे एप्रैम, तू ने छिनाला किया, और इस्त्राएल अशुद्ध हुआ है।
- ⁴ उनके काम उन्हें अपने परमेश्वर की ओर फिरने नहीं देते, क्योंकि छिनाला करने वाली आत्मा उनमें रहती है; और वे यहोवा को नहीं जानते हैं ॥
- ⁵ इस्त्राएल का गर्व उसी के विरुद्ध साक्षी देता है, और इस्त्राएल और एप्रैम अपने अधर्म के कारण ठोकर खाएंगे, और यहूदा भी उनके संग ठोकर खाएगा।
- ⁶ वे अपनी भेड़-बकरियाँ और गाय-बैल लेकर यहोवा को ढूँढने चलेंगे, परन्तु वह उनको ना मिलेगा; क्योंकि वह उनसे दूर हो गया है।
- ⁷ वे व्यभिचार के लड़के जने हैं; इस से उन्होंने यहोवा का विश्वासघात किया है। इस कारण अब चांद उनका और उनके भागों के नाश का कारण होगा ॥
- ⁸ गिबा में नरसिंगा, और रामा में तुरही फूँको। बेतावन में ललकार कर कहो; हे बिन्यामीन अपने पीछे देख!
- ⁹ न्याय के दिन मैं एप्रैम उजाड़ हो जाएगा; जिस बात का होना निश्चय है, मैं ने उसी का सन्देश इस्त्राएल के सब गोत्रों को दिया है।
- ¹⁰ यहूदा के हाकिम उनके समान हुए हैं जो सिवाना बढ़ा लेते हैं; मैं उनपर अपनी जलजलाहट जल की नाई उण्डेलूंगा।
- ¹¹ एप्रैम पर अन्धेर किया गया है, वह मुकद्दमा हार गया है; क्योंकि वह जी लगाकर उस आज्ञा पर चला।
- ¹² इसलिए मैं एप्रैम के लिए कीड़े के समान और यहूदा के घराने के लिए सड़ाहट के समान हूँगा ॥
- ¹³ जब एप्रैम ने अपना रोग और यहूदा ने अपना घाव देखा, तब एप्रैम अशशूर के पास गया, और यारेब के राजा को कहला भेजा। परन्तु ना वह तुम्हें चंगा कर सकता और ना तुम्हारा घाव अच्छा कर सकता है।
- ¹⁴ क्योंकि मैं एप्रैम के लिए सिंह, और यहूदा के घराने के लिए जवान सिंह बनूंगा। मैं आप ही उन्हें फाड़ कर ले जाऊँगा; जब मैं उठा ले जाऊँगा, तब मेरे पंजे से कोई छुड़ा ना सकेगा ॥
- ¹⁵ जब तक वे अपने को अपराधी मान कर मेरे दर्शन के खोजी ना होंगे तब तक मैं अपने स्थान को लौटूँगा, और जब वे संकट में पड़ेंगे, तब जी लगा कर मुझे ढूँढने लगेंगे ॥

- ¹ चलो, हम यहोवा की ओर फिरें; क्योंकि उसी ने फाड़ा, और वही चंगा भी करेगा; उसी ने मारा, और वही हमारे घावों पर पट्टी बान्धेगा ।
- ² दो दिन के बाद वह हम को जिलाएगा; और तीसरे दिन वह हम को उठा कर खड़ा करेगा; तब हम उसके सम्मुख जीवित रहेंगे ।
- ³ आओ, हम ज्ञान ढूँढ़े, वरन यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रगट होना भोर का सा निश्चित है; वह वर्षा की नाई हमारे ऊपर आएगा, वरन बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिस से भूमि सिंचती है ॥
- ⁴ हे एप्रैम, मैं तुझ से क्या करूँ? हे यहूदा, मैं तुझ से क्या करूँ? तुम्हारा स्नेह तो भोर के मेघ के समान, और सवेरे उड़ जाने वाली ओस के समान है ।
- ⁵ इस कारण मैं ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा मानो उन पर कुल्हाड़ी चला कर उन्हें काट डाला, और अपने वचनों से उन को घात किया, और मेरा न्याय प्रकाश के समान चमकता है ।
- ⁶ क्योंकि मैं बलिदान से नहीं, स्थिर प्रेम ही से प्रसन्न होता हूँ, और होमबलियों से अधिक यह चाहता हूँ कि लोग परमेश्वर का ज्ञान रखें ॥
- ⁷ परन्तु उन लोगों ने आदम की नाई वाचा को तोड़ दिया; उन्होंने वहां मुझ से विश्वासघात किया है ।
- ⁸ गिलाद नाम गढ़ी तो अनर्थकारियों से भरी है, वह खून से भरी हुई है ।
- ⁹ जैसे डाकुओं के दल किसी की घात में बैठते हैं, वैसे ही याजकों का दल शकेम के मार्ग में वध करता है, वरन उन्होंने महापाप भी किया है ।
- ¹⁰ इस्राएल के घराने में मैं ने रोएं खड़े होने का कारण देखा है; उस में एप्रैम का छिनाला और इस्राएल की अशुद्धता पाई जाती है ॥
- ¹¹ और हे यहूदा, जब मैं अपनी प्रजा को बंधुआई से लौटा ले आऊंगा, उस समय के लिये तेरे निमित्त भी बदला ठहराया हुआ है ॥

- 1 जब मैं इस्राएल को चंगा करता हूँ तब एप्रेम का अधर्म और शोमरोन की बुराइयाँ प्रगट हो जाती हैं; वे छल से काम करते हैं, चोर भीतर घुसता, और डाकुओं का दल बाहर छिन लेता है।
- 2 तौभी वे नहीं सोचते कि यहोवा हमारी सारी बुराई को स्मरण रखता है। इसलिये अब वे अपने कामों के जाल में फसेंगे, क्योंकि उनके कार्य मेरी दृष्टि में बने हैं।
- 3 वे राजा को बुराई करने से, और हाकिमों को झूठ बोलने से आनन्दित करते हैं।
- 4 वे सब के सब व्यभिचारी हैं; वे उस तन्दूर के समान हैं जिस को पकाने वाला गर्म करता है, पर जब तक आटा गूँधा नहीं जाता और खमीर से फूल नहीं चुकता, तब तक वह आग को नहीं उकसाता।
- 5 हमारे राजा के जन्म दिन में हाकिम दाखमधु पीकर चूर हुए; उसने ठट्ठा करने वालों से अपना हाथ मिलाया।
- 6 जब तक वे घात लगाए रहते हैं, तब तक वे अपना मन तन्दूर की नाई तैयार किए रहते हैं; उन का पकाने वाला रात भर सोता रहता है; वह भोर को तन्दूर की धधकती लौ के समान लाल हो जाता है।
- 7 वे सब के सब तन्दूर की नाई धधकते, और अपने न्यायियों को भस्म करते हैं। उनके सब राजा मारे गए हैं; और उन में से कोई मेरी दोहाई नहीं देता है॥
- 8 एप्रेम देश देश के लोगों से मिलाजुला रहता है; एप्रेम ऐसी चपाती ठहरा है जो उलटी न गई हो।
- 9 परदेशियों ने उसका बल तोड़ डाला, परन्तु वह इसे नहीं जानता; उसके सिर में कहीं कहीं पके बाल हैं, परन्तु वह इसे भी नहीं जानता।
- 10 इस्राएल का गर्व उसी के विरुद्ध साक्षी देता है; इन सब बातों के रहते हुए भी वे अपने परमेश्वर यहोवा की ओर नहीं फिरे, और न उसको ढूँढ़ा है॥
- 11 एप्रेम एक भोली पण्डुकी के समान हो गया है जिस के कुछ बुद्धि नहीं; वे मिस्रियों की दोहाई देते, और अश्शूर को चले जाते हैं।
- 12 जब वे जाएँ, तब उनके ऊपर मैं अपना जाल फैलाऊँगा; मैं उन्हें ऐसा खींच लूँगा जैसे आकाश के पक्षी खींचे जाते हैं; मैं उन को ऐसी ताड़ना दूँगा, जैसी उनकी मण्डली सुन चुकी है।
- 13 उन पर हाय, क्योंकि वे मेरे पास से भटक गए! उनका सत्यानाश होए, क्योंकि उन्होंने मुझ से बलवा किया है! मैं तो उन्हें छुड़ाता रहा, परन्तु वे मुझ से झूठ बोलते आए हैं॥
- 14 वे मन से मेरी दोहाई नहीं देते, परन्तु अपने बिछौने पर पड़े हुए हाय, हाय, करते हैं; वे अन्न और नये दाखमधु पाने के लिये भीड़ लगाते, और मुझ से बलवा करते हैं।
- 15 मैं उन को शिक्षा देता रहा और उनकी भुजाओं को बलवन्त करता आया हूँ, तौभी वे मेरे विरुद्ध बुरी कल्पना करते हैं।

¹⁶ वे फिरते तो हैं, परन्तु परमप्रधान की ओर नहीं; वे धोखा देने वाले धनुष के समान हैं; इसलिये उनके हाकिम अपनी क्रोधभरी बातों के कारण तलवार से मारे जाएंगे। मिस्र देश में उनके ठट्टों में उड़ाए जाने का यही कारण होगा ॥

- ¹ अपने मुंह में नरसिंगा लगा। वह उकाब की नाई यहोवा के घर पर झपटेगा, क्योंकि मेरे घर के लोगों ने मेरी वाचा तोड़ी, और मेरी व्यवस्था का उल्लंघन किया है।
- ² वे मुझ से पुकार कर कहेंगे, हे हमारे परमेश्वर, हम इस्राएली लोग तुझे जानते हैं।
- ³ परन्तु इस्राएल ने भलाई को मन से उतार दिया है; शत्रु उसके पीछे पड़ेगा ॥
- ⁴ वे राजाओं को ठहराते रहे, परन्तु मेरी इच्छा से नहीं। वे हाकिमों को भी ठहराते रहे, परन्तु मेरे अनजाने में। उन्होंने अपना सोना-चान्दी ले कर मूर्तें बना लीं जिस से वे ही नाश हो जाएं।
- ⁵ हे शोमरोन, उसने तेरे बछड़े को मन से उतार दिया है, मेरा क्रोध उन पर भड़का है। वे निर्दोष होने में कब तक विलम्ब करेंगे?
- ⁶ यह इस्राएल से हुआ है ॥ एक कारीगर ने उसे बनाया; वह परमेश्वर नहीं है। इस कारण शोमरोन का वह बछड़ा टुकड़े टुकड़े हो जाएगा ॥
- ⁷ वे वायु बोते हैं, और वे बवण्डर लवेंगे। उनके लिये कुछ खेत रहेगा नहीं न उनकी उपज से कुछ आटा होगा; और यदि हो भी तो परदेशी उसको खा डालेंगे।
- ⁸ इस्राएल निगला गया; अब वे अन्यजातियों में ऐसे निकम्मे ठहरे जैसे तुच्छ बरतन ठहरता है।
- ⁹ क्योंकि वे अश्शूर को ऐसे चले गए, जैसा जंगली गदहा झुण्ड से बिछुड़ के रहता है; एप्रैम ने यारों को मजदूरी पर रखा है।
- ¹⁰ यद्यपि वे अन्यजातियों में से मजदूर बना कर रखें, तौभी मैं उन को इकट्ठा करूंगा। और वे हाकिमों और राजा के बोझ के कारण घटने लगेंगे।
- ¹¹ एप्रैम ने पाप करने को बहुत सी वेदियां बनाई हैं, वे ही वेदियां उसके पापी ठहरने का कारण भी ठहरीं।
- ¹² मैं तो उनके लिये अपनी व्यवस्था की लाखों बातें लिखता आया हूं, परन्तु वे उन्हें पराया समझते हैं।
- ¹³ वे मेरे लिये बलिदान तो करते हैं, और पशु बलि भी करते हैं, परन्तु उसका फल मांस ही है; वे आप ही उसे खाते हैं; परन्तु यहोवा उन से प्रसन्न नहीं होता। अब वह उनके अधर्म की सुधि ले कर उनके पाप का दण्ड देगा; वे मिस्र में लौट जाएंगे।
- ¹⁴ क्योंकि इस्राएल ने अपने कर्त्ता को बिसरा कर महल बनाए, और यहूदा ने बहुत से गढ़ वाले नगरों को बसाया है; परन्तु मैं उनके नगरों में आग लगाऊंगा, और उस से उन के गढ़ भस्म हो जाएंगे।

- 1 हे इस्राएल, तू देश देश के लोगों की नाई आनन्द में मगन मत हो! क्योंकि तू अपने परमेश्वर को छोड़ कर वेश्या बनी। तू ने अन्न के हर एक खलिहान पर छिनाले की कमाई आनन्द से ली है।
- 2 वे न तो खलिहान के अन्न से तृप्त होंगे, और न कुण्ड के दाखमधु से; और न नये दाखमधु के घटने से वे धोखा खाएंगे।
- 3 वे यहोवा के देश में रहने न पाएंगे; परन्तु एप्रैम मिस्र में लौट जाएगा, और वे अशूर में अशुद्ध वस्तुएं खाएंगे ॥
- 4 वे यहोवा के लिये दाखमधु का अर्घ न देंगे, और न उनके बलिदान उसको भाएंगे। उनकी रोटी शोक करने वालों का सा भोजन ठहरेगी; जितने उसे खाएंगे सब अशुद्ध हो जाएंगे; क्योंकि उनकी भोजनवस्तु उनकी भूख बुझाने ही के लिये होगी; वह यहोवा के भवन में न आ सकेगी ॥
- 5 नियत समय के पर्व और यहोवा के उत्सव के दिन तुम क्या करोगे?
- 6 देखो, वे सत्यानाश होने के डर के मारे चले गए; परन्तु वहां मर जाएंगे और मिस्री उनकी लोथें इकट्ठी करेंगे; और मोप के निवासी उन को मिट्टी देंगे। उनकी मनभावनी चान्दी की वस्तुएं बिच्छु पेड़ों के बीच में पड़ेंगी, और उनके तम्बुओं में झड़बेरी उगेगी।
- 7 दण्ड के दिन आए हैं; बदला लेने के दिन आए हैं; और इस्राएल यह जान लेगा। उनके बहुत से अधर्म और बड़े द्वेष के कारण भविष्यद्वक्ता तो मूर्ख, और जिस पुरुष पर आत्मा उतरता है, वह बावला ठहरेगा ॥
- 8 एप्रैम मेरे परमेश्वर की ओर से पहरूआ है; भविष्यद्वक्ता सब मार्गों में बहेलिये का फन्दा है, और वह अपने परमेश्वर के घर में बैरी हुआ है।
- 9 वे गिबा के दिनों की भांति अत्यन्त बिगड़े हैं; सो वह उनके अधर्म की सुधि ले कर उनके पाप का दण्ड देगा ॥
- 10 मैं ने इस्राएल को ऐसा पाया जैसे कोई जंगल में दाख पाए; और तुम्हारे पुरखाओं पर ऐसे दृष्टि की जैसे अंजीर के पहिले फलों पर दृष्टि की जाती है। परन्तु उन्होंने पोर के बाल के पास जा कर अपने तई लज्जा का कारण होने के लिये अर्पण कर दिया, और जिस पर मोहित हो गए थे, वे उसी के समान धिनौने हो गए।
- 11 एप्रैम का वैभव पक्षी की नाई उड़ जाएगा; न तो किसी का जन्म होगा, न किसी को गर्भ रहेगा, और न कोई स्त्री गर्भवती होगी!
- 12 चाहे वे अपने लड़के-बालों का पालन-पोषण कर बड़े भी करें, तौभी मैं उन्हें यहां तक निर्वश करूंगा कि कोई भी न बचेगा। जब मैं उन से दूर हो जाऊंगा, तब उन पर हाय!
- 13 जैसा मैं ने सोर को देखा, वैसा एप्रैम को भी मनभाऊ स्थान में बसा हुआ देखा; तौभी उसे अपने लड़के-बालों को घातक के साम्हने ले जाना पड़ेगा।
- 14 हे यहोवा, उन को दण्ड दे! तू क्या देगा? यह, कि उनकी स्त्रियों के गर्भ गिर जाएं, और स्थान सूखे रहें ॥

- 15 उनकी सारी बुराई गिलगाल में है; वहीं मैं ने उन से घृणा की। उनके बुरे कामों के कारण मैं उन को अपने घर से निकाल दूंगा।
और उन से फिर प्रीति न रखूंगा, क्योंकि उनके सब हाकिम बलवा करने वाले हैं।
- 16 एप्रैम मारा हुआ है, उनकी जड़ सूख गई, उन में फल न लगेगा। और चाहे उनकी स्त्रियां बच्चे भी न जनें तौभी मैं उनके जन्मे हुए दुलारों को मार डालूंगा ॥
- 17 मेरा परमेश्वर उन को निकम्मा ठहराएगा, क्योंकि उन्होंने उसकी नहीं सुनी। वे अन्यजातियों के बीच मारे मारे फिरेंगे ॥

- ¹ इस्राएल एक लहलहाती हुई दाखलता सी है, जिस में बहुत से फल भी लगे, परन्तु ज्यों ज्यों उस के फल बढ़े, त्यों त्यों उसने अधिक वेदियां बनाई जैसे जैसे उसकी भूमि सुधरी, वैसे ही वे सुन्दर लाटें बनाते गए ।
- ² उनका मन बटा हुआ है; अब वे दोषी ठहरेंगे । वह उनकी वेदियों को तोड़ डालेगा, और उनकी लाटों को टुकड़े टुकड़े करेगा ।
- ³ अब वे कहेंगे, हमारे कोई राजा नहीं है, क्योंकि हम ने यहोवा का भय नहीं माना; सो राजा हमारा क्या कर सकता है?
- ⁴ वे बातें बनाते और झूठी शपथ खाकर वाचा बान्धते हैं; इस कारण खेत की रेघारियों में धतूरे की नाईं दण्ड फूले फलेगा ।
- ⁵ सामरिया के निवासी बेतावेन के बछड़े के लिये डरते रहेंगे, और उसके लोग उसके लिये विलाप करेंगे; और उसके पुजारी जो उसके कारण मगन होते थे उसके प्रताप के लिये इस कारण विलाप करेंगे क्योंकि वह उन में से उठ गया है ।
- ⁶ वह यारेब राजा की भेंट ठहरने के लिये अश्वूर देश में पहुंचाया जाएगा । एप्रायम लज्जित होगा, और इस्राएल भी अपनी युक्ति से लजाएगा ॥
- ⁷ सामरिया अपने राजा समेत जल के बुलबुले की नाईं मिट जाएगा ।
- ⁸ और आवेन के ऊंचे स्थान जो इस्राएल का पाप है, वे नाश होंगे । उनकी वेदियों पर झड़बेरी, पेड़ और ऊंटकटारे उगेंगे; और उस समय लोग पहाड़ों से कहने लगेंगे, हम को छिपा लो, और टीलों से कि हम पर गिर पड़ो ॥
- ⁹ हे इस्राएल, तू गिबा के दिनों में पाप करता आया है; वे उसी में बने रहें; क्या वे गिबा में कुटिल मनुष्यों के संग लड़ाई में न फंसे?
- ¹⁰ जब मेरी इच्छा होगी तब मैं उन्हें ताड़ना दूंगा, और देश देश के लोग उनके विरुद्ध इकट्ठे हो जाएंगे; क्योंकि वे अपने दोनों अधर्मों में फसे हुए हैं ॥
- ¹¹ एप्रायम सीखी हुई बछिया है, जो अन्न दांवने से प्रसन्न होती है, परन्तु मैं ने उसकी सुन्दर गर्दन पर जुआ रखा है; मैं एप्रायम पर सवार चढ़ाऊंगा; यहूदा हल, और याकूब हेंगा खींचेगा ।
- ¹² अपने लिये धर्म का बीज बोओ, तब करुणा के अनुसार खेत काटने पाओगे; अपनी पड़ती भूमि को जोतो; देखो, अभी यहोवा के पीछे हो लेने का समय है, कि वह आए और तुम्हारे ऊपर उद्धार बरसाए ॥
- ¹³ तुम ने दुष्टता के लिये हल जोता और अन्याय का खेत काटा है; और तुम ने धोखे का फल खाया है । और यह इसलिये हुआ क्योंकि तुम ने अपने कुव्यवहार पर, और अपने बहुत से वीरों पर भरोसा रखा था ।
- ¹⁴ इस कारण तुम्हारे लोगों में हुल्लड़ उठेगा, और तुम्हारे सब गढ़ ऐसे नाश किए जाएंगे जैसा बेतर्बेल नगर युद्ध के समय शल्मन के द्वारा नाश किया गया; उस समय माताएं अपने बच्चों समेत पटक दी गई थी ।
- ¹⁵ तुम्हारी अत्यन्त बुराई के कारण बेटेल से भी इसी प्रकार का व्यवहार किया जाएगा । भोर होते ही इस्राएल का राजा पूरी रीति से मिट जाएगा ॥

- ¹ जब इस्राएल बालक था, तब मैं ने उस से प्रेम किया, और अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया ।
- ² परन्तु जितना वे उन को बुलाते थे, उतना ही वे भागे जाते थे; वे बाल देवताओं के लिये बलिदान करते, और खुदी हुई मूर्तों के लिये धूप जलाते गए ॥
- ³ मैं ही एप्रैम को पांव-पांव चलाता था, और उन को गोद में लिए फिरता था, परन्तु वे न जानते थे कि उनका चंगा करने वाला मैं हूँ ।
- ⁴ मैं उन को मनुष्य जानकर प्रेम की डोरी से खींचता था, और जैसा कोई बैल के गले की जोत खोल कर उसके साम्हने आहार रख दे, वैसा ही मैं ने उन से किया ।
- ⁵ वह मिस्र देश में लौटने न पाएगा; अश्शूर ही उसका राजा होगा, क्योंकि उसने मेरी ओर फिरने से इनकार कर दिया है ।
- ⁶ तलवार उनके नगरों में चलेगी, और उनके बेड़ों को पूरा नाश करेगी; और यह उनकी युक्तियों के कारण होगा ।
- ⁷ मेरी प्रजा मुझ से फिर जाने में लगी रहती है; यद्यपि वे उन को परमप्रधान की ओर बुलाते हैं, तौभी उन में से कोई भी मेरी महिमा नहीं करता ॥
- ⁸ हे एप्रैम, मैं तुझे क्योंकर छोड़ दूँ? हे इस्राएल, मैं क्योंकर तुझे शत्रु के वश में कर दूँ? मैं क्योंकर तुझे अदमा की नाई छोड़ दूँ, और सबोयीम के समान कर दूँ? मेरा हृदय तो उलट पुलट हो गया, मेरा मन स्नेह के मारे पिघल गया है ।
- ⁹ मैं अपने क्रोध को भड़कने न दूंगा, और न मैं फिर एप्रैम को नाश करूंगा; क्योंकि मैं मनुष्य नहीं परमेश्वर हूँ, मैं तेरे बीच में रहने वाला पवित्र हूँ; मैं क्रोध कर के न आऊंगा ॥
- ¹⁰ वे यहोवा के पीछे पीछे चलेंगे; वह तो सिंह की नाई गरजेगा; और तेरे लड़के पश्चिम दिशा से थरथराते हुए आएंगे ।
- ¹¹ वे मिस्र से चिड़ियों की नाई और अश्शूर के देश से पण्डुकी की भांति थरथराते हुए आएंगे; और मैं उन को उन्हीं के घरों में बसा दूंगा, यहोवा की यही वाणी है ॥
- ¹² एप्रैम ने मिथ्या से, और इस्राएल के घराने ने छल से मुझे घेर रखा है; और यहूदा अब तक पवित्र और विश्वासयोग्य परमेश्वर की ओर चंचल बना रहता है ॥

- ¹ एप्रैम पानी पीटता और पुरवाई का पीछा करता रहता है; वह लगातार झूठ और उत्पात को बढ़ाता रहता है; वे अश्शूर के साथ वाचा बान्धते और मिस्र में तेल भेजते हैं।
- ² यहूदा के साथ भी यहोवा का मुकद्दमा है, और वह याकूब को उसके चालचलन के अनुसार दण्ड देगा; उसके कामों के अनुसार वह उसको बदला देगा।
- ³ अपनी माता की कोख ही में उसने अपने भाई को अड़ंगा मारा, और बड़ा हो कर वह परमेश्वर के साथ लड़ा।
- ⁴ वह दूत से लड़ा, और जीत भी गया, वह रोया और उसने गिड़गिड़ाकर बिनती की। बेतेल में वह उसको मिला, और वहीं उसने हम से बातें की।
- ⁵ यहोवा, सेनाओं का परमेश्वर, जिसका स्मरण यहोवा नाम से होता है।
- ⁶ इसलिये तू अपने परमेश्वर की ओर फिर; कृपा और न्याय के काम करता रह, और अपने परमेश्वर की बाट निरन्तर जोहता रह ॥
- ⁷ वह व्योपारी है, और उसके हाथ में छल का तराजू है; अन्धेर करना ही उसको भाता है।
- ⁸ एप्रैम कहता है, मैं धनी हो गया, मैं ने सम्पत्ति प्राप्त की है; मेरे किसी काम में ऐसा अधर्म नहीं पाया गया जिस से पाप लगे।
- ⁹ मैं यहोवा, मिस्र देश ही से तेरा परमेश्वर हूं; मैं फिर तुझे तम्बुओं में ऐसा बसाऊंगा जैसा नियत पर्व के दिनों में हुआ करता है ॥
- ¹⁰ मैं ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें कीं, और बार बार दर्शन देता रहा; और भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा दृष्टान्त कहता आया हूं।
- ¹¹ क्या गिलाद कुकर्म नहीं? वे पूरे छली हो गए हैं। गिलगाल में बैल बलि किए जाते हैं, वरन उनकी वेदियां उन ढेरों के समान हैं जो खेत की रेघारियों के पास हों।
- ¹² याकूब अराम के मैदान में भाग गया था; वहां इस्राएल ने एक पत्नी के लिये सेवा की, और पत्नी के लिये वह चरवाही करता था।
- ¹³ एक भविष्यद्वक्ता के द्वारा यहोवा इस्राएल को मिस्र से निकाल ले आया, और भविष्यद्वक्ता ही के द्वारा उसकी रक्षा हुई।
- ¹⁴ एप्रैम ने अत्यन्त रिस दिलाई है; इसलिये उसका किया हुआ खून उसी के ऊपर बना रहेगा, और उसने अपने परमेश्वर के नाम में जो बट्टा लगाया है, वह उसी को लौटाया जाएगा ॥

- ¹ जब एप्रैम बोलता था, तब लोग कांपते थे; और वह इस्राएल में बड़ा था; परन्तु जब वह बाल के कारण दोषी हो गया, तब वह मर गया ।
- ² और अब वे लोग पाप पर पाप बढ़ाते जाते हैं, और अपनी बुद्धि से चान्दी ढालकर ऐसी मूर्तें बनाई हैं जो कारीगरों ही से बनीं ।
उन्हीं के विषय लोग कहते हैं, जो नरमेध करें, वे बछड़ों को चूमें!
- ³ इस कारण वे भोर के मेघ, तड़के सूख जाने वाली ओस, खलिहान पर से आंधी के मारे उड़ने वाली भूसी, या चिमनी से निकलते हुए धूँ के समान होंगे ॥
- ⁴ मिस्र देश ही से मैं यहोवा, तेरा परमेश्वर हूँ; तू मुझे छोड़ किसी को परमेश्वर कर के न जानना; क्योंकि मेरे सिवा कोई तेरा उद्धारकर्ता नहीं है ।
- ⁵ मैं ने उस समय तुझ पर मन लगाया जब तू जंगल में वरन अत्यन्त सूखे देश में था ।
- ⁶ परन्तु जब इस्राएली चराए जाते थे और वे तृप्त हो गए, तब तृप्त होने पर उनका मन घमण्ड से भर गया; इस कारण वे मुझ को भूल गए ।
- ⁷ सो मैं उनके लिये सिंह सा बना हूँ; मैं चीते की नाई उनके मार्ग में घात लगाए रहूँगा ।
- ⁸ मैं बच्चे छीनी हुई रीछनी के समान बन कर उन को मिलूँगा, और उनके हृदय की झिल्ली को फाड़ूँगा, और सिंह की नाई उन को वहीं खा डालूँगा, जैसे बन-पशु उन को फाड़ डाले ॥
- ⁹ हे इस्राएल, तेरे विनाश का कारण यह है, कि तू मेरा अर्थात् अपने सहायक का विरोधी है ।
- ¹⁰ अब तेरा राजा कहां रहा कि तेरे सब नगरों में वह तुझे बचाए? और तेरे न्यायी कहां रहे, जिनके विषय में तू ने कहा था कि मेरे लिये राजा और हाकिम ठहरा दें?
- ¹¹ मैं ने क्रोध में आकर तेरे लिये राजा बनाए, और फिर जलजलाहट में आकर उन को हटा भी दिया ।
- ¹² एप्रैम का अधर्म गठा हुआ है, उनका पाप संचय किया हुआ है ।
- ¹³ उसको जच्चा की सी पीड़ाएं उठेंगी, परन्तु वह निर्बुद्धि लड़का है जो जन्म के समय ठीक से नहीं आता ।
- ¹⁴ मैं उसको अधोलोक के वश से छुड़ा लूँगा और मृत्यु से उसको छुटकारा दूँगा । हे मृत्यु, तेरी मारने की शक्ति कहां रही? हे अधोलोक, तेरी नाश करने की शक्ति कहां रही? मैं फिर कभी नहीं पछताऊँगा ॥
- ¹⁵ चाहे वह अपने भाइयों से अधिक फूले-फले, तौभी पुरवाई उस पर चलेगी, और यहोवा की ओर से मरुस्थल से आएगी, और उसका कुण्ड सूखेगा; और उसका सोता निर्जन हो जाएगा । उसकी रखी हुई सब मनभावनी वस्तुएं वह लूट ले जाएगा ।
- ¹⁶ सामरिया दोषी ठहरेगा, क्योंकि उसने अपने परमेश्वर से बलवा किया है; वे तलवार से मारे जाएंगे, उनके बच्चे पटके जाएंगे, और उनकी गर्भवती स्त्रियां चीर डालीं जाएंगी ॥

- ¹ हे इस्राएल, अपने परमेश्वर यहोवा के पास लौट आ, क्योंकि तू ने अपने अधर्म के कारण ठोकर खाई है।
- ² बातें सीख कर और यहोवा की ओर फिर कर, उस से कह, सब अधर्म दूर कर; अनुग्रह से हम को ग्रहण कर; तब हम धन्यवाद रूपी बलि चढ़ाएंगे।
- ³ अश्वरू हमारा उद्धार न करेगा, हम घोड़ों पर सवार न होंगे; और न हम फिर अपनी बनाई हुई वस्तुओं से कहेंगे, तुम हमारे ईश्वर हो; क्योंकि अनाथ पर तू ही दया करता है॥
- ⁴ मैं उनकी भटक जाने की आदत को दूर करूंगा; मैं संतप्त उन से प्रेम करूंगा, क्योंकि मेरा क्रोध उन पर से उतर गया है।
- ⁵ मैं इस्राएल के लिये ओस के समान हूंगा; वह सोसन की नाई फूले-फलेगा, और लबानोन की नाई जड़ फैलाएगा।
- ⁶ उसकी जड़ से पौधे फूटकर निकलेंगे; उसकी शोभा जलपाई की सी, और उसकी सुगन्ध लबानोन की सी होगी।
- ⁷ जो उसकी छाया में बैठेंगे, वे अन्न की नाई बढ़ेंगे, वे दाखलता की नाई फूले-फलेंगे; और उसकी कीर्ति लबानोन के दाखमधु की सी होगी॥
- ⁸ एप्रेम कहेगा, मूरतों से अब मेरा और क्या काम? मैं उसकी सुनकर उस पर दृष्टि बनाए रखूंगा। मैं हरे सनौवर सा हूं; मुझी से तू फल पाया करेगा॥
- ⁹ जो बुद्धिमान हो, वही इन बातों को समझेगा; जो प्रवीण हो, वही इन्हें बूझ सकेगा; क्योंकि यहोवा के मार्ग सीधे हैं, और धर्मी उन में चलते रहेंगे, परन्तु अपराधी उन में ठोकर खाकर गिरेंगे॥

पूरी बाइबल, मुफ़्त • The whole Bible, free

This is one book of 66. Read every chapter online in Hindi and Hinglish,
side by side, at yeshuvachan.com/bible/
and a new verse every day at yeshuvachan.com/verse-of-the-day/

The free Yeshu Vachan app is coming soon: the whole Bible offline,
with search, bookmarks, notes and a verse every morning.
No account. No ads. No tracking.

yeshuvachan.com